निबंधः 'युवा, बिहार नहीं हैं, बल्कि बिहार युवा हैं'

(लेखनः संतोष कश्यप, निदेशक, बिहार नमन ग्रुप)

परिचय

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं का आह्वान करते हुए कठोपनिषद का एक मंत्र कहा था-**'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत'** अर्थात **उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक कि अपने लक्ष्य तक न पहुंच जाओ'**

बिहार के युवाजन बिहार के विकास के आधार हैं। वे राज्य के सबसे ऊर्जावान भाग हैं और इसलिए समाज को उनसे बहुत उम्मीदें भी हैं। सही मानसिकता और क्षमता के साथ बिहार का युवा वर्ग राज्य के विकास में योगदान कर सकते हैं और इसे आगे बढ़ा सकते हैं। युवा ऊर्जा से भरी नदी की तरह होते है, जिसके प्रवाह को एक सही दिशा की आवश्यकता होती है। आज का बिहारी युवा वर्ग प्रतिभा और क्षमता से लबरेज है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, गणित, वास्तुकला, इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में बहुत प्रगति हुई है, जिसमें युवाओं का सर्वाधिक योगदान रहा है। युवाओं की सोच रचनात्मक होती है। वे नए प्रयोग करने से पीछे नहीं हटते। बिहार के युवाओं ने प्रत्येक क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया है। लगभग **58%** भारतीय जनसंख्या युवाओं (25 वर्ष से कम आयु वर्ग की) की है। हमारे राज्य बिहार में कई प्रतिभाशाली और मेहनतकश युवा हैं जिन्होंने देश को गर्व की अनुभूति कराई है। जैसे- गणित के शिक्षक आनंद कुमार , मैथिली गायिका मैथिली ठाकुर, फिल्म अभिनेता सुशांत सिंग राजपूत , मनोज बाजपेयी , पंकज त्रिपाठी आदि। किन्तु हमे अन्य युवाओं को भी इस स्तर पर तैयार करना है जिससे उनकी ऊर्जा का उपयोग चमकते बिहार के विकास में किया जा सके । इसके लिए निम्न उपाय किए जा सकते हैं-

जिम्मेदार युवा तैयार करने होंगे-

इस दुनिया में मुख्य रूप से दो प्रकार के लोग हैं। पहले वो जो जिम्मेदारी से काम करते हैं और निर्धारित मानदंडों का पालन करते हैं और दूसरे वो जो मानदंडों पर सवाल उठाते हैं और गैर जिम्मेदार रूप से काम करते हैं। हालांकि तर्क के आधार पर मानदंडों पर सवाल उठाने में कुछ भी गलत नहीं है लेकिन गैर जिम्मेदारियों से कार्य करना स्वीकार्य नहीं है। आज के युवाओं में बहुत सी क्षमताएं हैं और यह माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे सही दिशा में उनकी रचनात्मकता और क्षमता को निर्देशित करें। हाल ही बिहार सरकार द्वारा लाखों की संख्या में नियुक्त किये गए कुशल शिक्षक बहाली से इसकी उम्मीद जगी हैं।

प्रारंभिक शुरुआत करने होंगे-

यह बुजुर्गों की जिम्मेदारी है की वे अपने परिवार के युवाओं को यह सिखाएं कि कैसे सार्वजनिक रूप से व्यवहार करें, अलग-अलग कार्य और अन्य चीजों को एक शुरुआती उम्र से कैसे संभाले।

नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना होगा-

यह महत्वपूर्ण है कि हमे अपने युवा साथियों को यह समझाना होगा की क्या सही है और क्या गलत है? इसके बारे में उन्हें तर्क के साथ बताना और समझाना होगा। उनकी उम्र के आधार पर उन्हें समय-समय पर नैतिक शिक्षा देनी होगी। इसके साथ ही उन्हें बुरे व्यवहार या कार्यों के परिणाम के विषय में भी बताना होगा। इसके लिए पंचायत स्तर पर **'नैतिक युवा समूह'** का गठन किया जा सकता हैं ।

उन्हें स्वयं और दुसरों की मदद करने को प्रेरित करना होगा-

युवाओं को हर समय लाड़-प्यार करने की बजाए उन्हें स्वयं और आपकी सहायता करने दें। छोटे-छोटे कार्यों को उन्हें करने दें। जैसे- सामान्य घरेलु काम आदि। यह उनमें जिम्मेदारी की भावना को जन्म देता है और उन्हें जीवन में बड़ी जिम्मेदारियों को लेने के लिए तैयार करता है।

उनकी सराहना करनी होगी-

युवाओं के अच्छे काम की सराहना करें। यह उन्हें बार-बार अच्छे व्यवहार को करने के लिए प्रोत्साहित करने में मदद करेगा और यही अंततः उनके व्यवहार में शामिल हो जाएगा। हर बार उन्हें इनाम देने की कोशिश न करें।

उनके प्रति कठोर व्यवहार नही करना होगा-

Bihar Naman GS (An Institute of UPSC & BPSC), Patna

जैसे-जैसे आप उन्हें बताएंगे कि सही और क्या गलत है, उन्हें नैतिक शिक्षा देंगे और कार्य सौंपगें तो उनके प्रति बहुत कठोर ना बनें। आपको यह समझने की जरूरत है कि ऐसा वक्ष्त भी हो सकता है जब वे आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे और इसमें कोई बुराई नहीं है।

समाज में युवाओं की भूमिका

अगर बिहार में युवाओं की मानसिकता सही है और उनके नवोदित प्रतिभाओं को प्रेरित किया गया तो वे निश्चित रूप से समाज के लिए अच्छा काम करेंगे। उचित ज्ञान और सही दृष्टिकोण के साथ वे प्रौद्योगिकी, विज्ञान, चिकित्सा, खेल और अन्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। यह न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से और पेशेवर रूप में विकसित करेगा बल्कि पूरे बिहार के विकास और प्रगति में भी योगदान देगा। दूसरी ओर यदि बिहार के युवा शिक्षित नहीं हैं या बेरोजगार हैं तो यह अपराध को जन्म देगा।

बिहार के युवाओं को क्यों सशक्त बनाया जाना चाहिए?

यहां कुछ कारण बताए हैं कि क्यों बिहार के युवाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता है:

- अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में उनकी सहायता करने के लिए।
- अपनी रूचियों का पता लगाने में उनकी सहायता करने के लिए।
- उनमें छिपी संभावितता को पहचानने के लिए।
- उन्हें समाज की समस्याओं के बारे में संवेदनशील बनाने और उन्हें यह शिक्षित करने के लिए कि वे कैसे इन समस्याओं के उन्मूलन के लिए योगदान कर सकते हैं।
- देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ विभिन्न देशों के युवाओं के बीच आदान-प्रदान को सक्षम करने के लिए।

बिहार में युवाओं का सशक्तिकरण

बिहार सरकार का भी लक्ष्य युवाओं के नेतृत्व वाले विकास पर है। निष्क्रिय होकर बैठने की बजाए युवाओं को राज्य के विकास और प्रगति में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। युवा दिमाग को प्रोत्साहित और सशक्त बनाने के लिए की सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीति शुरू की है। इसका उद्देश्य युवाओं की सही दिशा में राज्य संभावित रूप से निर्देशित करना है जो संपूर्ण रूप से बिहार को मजबूत करने में मदद करेगा। बिहार में हर बच्चे को शिक्षा मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए भी कई शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। बिहार सरकार लिंग भेदभाव नहीं करती है। युवा मामलों का विभाग युवाओं के सशक्तिकरण में भी सक्रिय रूप से शामिल है। इसने राज्य में युवाओं के नेतृत्व के गुण और अन्य कौशल को बढ़ाने के लिए कई पहले कीं हैं। जब बिहार के युवा अपने कौशल और क्षमता का पूरी तरह उपयोग करेंगे तो बिहार निश्चित रूप से विकास और उन्नति करेगा और इसे दुनिया भर में एक नई पहचान मिलेगी।

बिहार के आधुनिक युवकों की संस्कृति

मानसिकता और संस्कृति में परिवर्तन के लिए एक कारण पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव है और दूसरा तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती उन्नति है। पहले जमाने के लोग एक-दूसरे की जगह पर जाते थे और साथ में अच्छा वक्त बिताते थे। जब भी कोई जरूरत होती थी तो पड़ोसी भी एक-दूसरे की मदद के लिए इक्कठा होते थे। हालांकि आज के युवाओं को यह भी पता नहीं है कि बगल के घर में कौन रहता है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते हैं। वे सिर्फ उन्हीं लोगों के साथ मिलते-जुलते हैं जिनसे वे सहज महसूस करते हैं और जरूरी नहीं कि वे केवल किसी के रिश्तेदार या पड़ोसी ही हो। तो मूल रूप से युवाओं ने आज समाज के निर्धारित मानदंडों पर संदेह जताना शुरू कर दिया है। आधुनिक युवक अपने बुजुर्गों द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं चलते हैं। वे अपने माता-पिता और अभिभावकों का साथ तो चाहते हैं लेकिन हर कदम पर उनका मार्गदर्शन नहीं चाहते।

आज की युवा पीढ़ी नई चीजें सीखना चाहती है और दुनिया में खुद को तलाश करना चाहती है। आज के युवा काफी बेसब्र और उतावले भी हैं। ये लोग तुरन्त सब कुछ करना चाहते हैं और अगर चीजें उनके हिसाब से नहीं चलती हैं तो वे जल्द नाराज हो जाते हैं। हालांकि आधुनिक युवाओं के बारे में सब कुछ नकारात्मक नहीं है। मनुष्य का मन भी समय के साथ विकसित हुआ है और युवा पीढ़ी काफी प्रतिभाशाली हुई है। आज के युवक उत्सुक और प्रेरित हैं। आज के युवाओं का समूह काफी होशियार है और अपने लक्ष्य को हासिल

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

करना अच्छी तरह से जानता है। वे परंपराओं और अंधविश्वासों से खुद को बांधे नहीं रखते हैं। कोई भी बाधा उन्हें उन चीजों को प्राप्त करने से नहीं रोक सकती जो वे चाहते हैं।

आज के बिहारी युवा और प्रौद्योगिकी

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति के साथ-साथ विभिन्न गैजेट्स के आगमन से जीवन शैली और जीवन के प्रति समग्र रवैया बदल गया है और आबादी का वह हिस्सा जो इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है वह युवा है। इन दिनों युवा अपने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया में इतने तल्लीन रहते हैं कि वे यह भूल गए हैं कि इसके बाहर भी एक जीवन है। आज के युवा स्वयं के बारे में बहुत चिंतित होते हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से वह सब कुछ दिखाना और बताना चाहते हैं जो उनके पास है। हर क्षण का आनंद लेने की बजाए वह यह दिखाना चाहते हैं कि उनका जीवन कैसा रहा है। ऐसा लगता है कि कोई भी वास्तव में खुश नहीं है लेकिन हर कोई दूसरे को यह बताना चाहता है कि उसका जीवन बेहद दूसरों की तुलना में अच्छा और मजेदार है।

मोबाइल फोन और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के अलावा जो आधुनिक युवाओं के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डाल रहे हैं वह है अन्य गैजेट्स और अन्य तकनीकी रूप से उन्नत उपकरण जिन्होंने लोगों की जीवन शैली में बहुत बड़ा बदलाव लाया है। आज के युवा सुबह पार्क में घूमने की बजाए जिम में कसरत करना पसंद करते हैं। इसी प्रकार जहाँ पहले जमाने के लोग अपने स्कूल और कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए मीलों की दूरी चलकर पूरी करते थे वही आज का युवा कार का उपयोग करना पसंद करता है। भले ही उसे छोटी सी दूरी का रास्ता पूरा करना हो। सीढ़ियों के बजाए लिफ्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है, गैस स्टोव की बजाए माइक्रोवेव ओवन और एयर फ्रायर्स में खाना पकाया जा रहा है और स्थानीय हाट बाजार की जगह मॉल पसंद किये जा रहे हैं। सारी बातों का निचोड़ निकाले तो तकनीक युवाओं को प्रकृति से दूर-बहुत-दूर ले जा रही है।

बिहार में युवाओं की प्रमुख समस्याएं

बिहार में युवाओं की संख्या अन्य सभी राज्यों की अपेक्षा सबसे अधिक है। इसलिए उनके समुचित विकास और सफलता के लिए उचित योजना और निर्णय होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से, बिहार के युवा कई समस्याओं से जूझ रहे हैं :

- कई युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान नहीं की जाती है। यहां तक कि कई लोग गरीबी और बेरोजगारी तथा अनपढ़ अभिभावकों के वजह से स्कूल नहीं जा पाते हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक बच्चे को स्कूल जाने और उच्च शिक्षा हासिल करने का मौका मिले।
- बालिका शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि राज्य में कई ऐसे हिस्से हैं जहां लड़कियां स्कूल जाने और पढ़ाई से वंचित है। लेकिन युवा, लड़के और लड़कियों दोनों का गठन करते हैं। जब समाज का एक वर्ग उपेक्षित हो, तो हमारे बिहार का समग्र विकास कैसे हो सकता है?
- अधिकांश युवाओं को गलत दिशा ने खींच लिया है। जैसे- इन्स्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर, शॉर्ट्स आदि पर वे फूहड़ वीडियो अपलोड करके बिहारी और भारतीय संस्कृति को प्रदूषित कर रहें हैं। उन्हें इस तरह से अपने जीवन और करियर को नष्ट करने से रोका जाना चाहिए।
- कई युवाओं में कौशल की कमी देखी गयी है, और इसलिए सरकार को युवाओं के लिए कुछ कौशल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि वे आगे एक या उससे अधिक अवसरों से लाभान्वित हो सकें।
- बिहार में 90 प्रतिशत से अधिक लोग गांवों में रहते हैं। इसलिए शिक्षा और अवसरों की सभी सुविधाओं तक उनकी उचित पहुंच नहीं है।
- कुछ युवाओं द्वारा वित्तीय संकट और सामाजिक असमानता का भी सामना किया जाता है जिसमें जातिवाद सबसे प्रमुख हैं।
- ऐसे कई बच्चे हैं जो प्रतिभा के साथ पैदा हुए हैं लेकिन अपर्याप्त संसाधनों के चलते, वे अपनी प्रतिभा के साथ आगे नहीं बढ़ सके। उनमें से कई को पारिवारिक आवश्यकताओं के कारण पैसा कमाने के लिए अपनी प्रतिभा से हटकर अन्य काम करना पड़ता है लेकिन उन्हें उस काम से प्यार नहीं है जो वे कर रहे हैं।
- वर्तमान में, बेरोजगारी की समस्या बिहार के युवाओं की सबसे बड़ी समस्या है।

Bihar Nama IAS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

युवाओं के उचित मार्गदर्शन के लिए अति आवश्यक है कि उनकी क्षमता का सदुपयोग किया जाए। उनकी सेवाओं को प्रौढ़ शिक्षा तथा अन्य सराकारी योजनाओं के तहत चलाए जा रहे अभियानों में प्रयुक्त किया जा सकता है। वे सरकार द्वारा सुनिश्चित लक्ष्यों की प्राप्ति के दायित्व को वहन कर सकते हैं। तस्करी, काला बाजारी, जमाखोरी जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने में उनकी सेवाएं ली जा सकती हैं। युवाओं को बिहार निर्माण के कार्य में लगाया जाए बिहार निर्माण का कार्य सरल नहीं है। यह दुष्कर कार्य है। इसे एक साथ और एक ही समय में पूर्ण नहीं किया जा सकता। यह चरणबद्ध कार्य है। इसे चरणों में विभाजित किया जा सकता है। युवा इस श्रेष्ठ कार्य में अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार भाग ले सकते हैं। ऐसी असंख्य योजनाएं, परियोजनां और कार्यक्रम हैं, जिनमें युवाओं की सहभागिता सुनिश्चत की जा सकती है।

बिहार के युवा (स्त्री और पुरुष दोनों) समाज में समाजिक, आर्थिक और नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे समाज में प्रचलित कुप्रथाओं और अंधविश्वास को समाप्त करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। देश में दहेज प्रथा के कारण न जाने कितनी ही महिलाओं पर अत्याचार किए जाते हैं, यहां तक कि उनकी हत्या तक कर दी जाती है। महिलाओं के प्रति यौन हिंसा से तो देश त्रस्त है। नब्बे साल की महिला से लेकर कुछ दिन की मासूम बच्चियों तक से दुष्कर्म कर उनकी हत्या कर दी जाती है। डायन प्रथा के नाम पर महिलाओं की हत्याएं होती रहती हैं। अंधविश्वास में जकड़े लोग नरबलि तक दे डालते हैं। बिहारी समाज में छुआछूत, ऊंच-नीच और जात-पांत की खाई भी बहुत गहरी है। दलितों विशेषकर महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार की घटनाएं भी आए दिन देखने और सुनने को मिलती रहती हैं जो सभ्य समाज के माथे पर कलंक हैं। आतंकवाद के प्रति भी युवाओं में जागृति पैदा करने की आवश्यकता है। भविष्य में देश की लगातार बढ़ती जनसंख्या का पेट भरने के लिए अधिक खाद्यान्न की आवश्यकता होगी। कृषि में उत्पादन के स्तर को उन्नत करने से संबंधित योजनाओं में युवाओं को लगाया जा सकता है। इससे जहां युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं देश. राज्य और समाज हित में उनका योगदान रहेगा। केवल राष्ट्रीय युवा दिवस मनाकर स्वामी विवेकानन्द जी के स्वप्न को साकार नहीं किया किया जा सकता और न ही युवाओं के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह किया जा सकता है।

उपसंहार

पश्चिमी चकाचौंध से अंधे हो चुके बिहार के युवाओं को यह एहसास नहीं है कि हमारी भारतीय संस्कृति और बिहार की क्षेत्रीय संस्कृति हमेशा से बहुत अच्छी थी। हालांकि अंधविश्वासों से अपने आप को बाँधना अच्छा नहीं है लेकिन हमें हमारी संस्कृति से अच्छे संस्कार लेने चाहिए। इसी तरह किसी के जीवन में विकास के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। नि:संदेह, युवा देश के विकास का एक महत्वपूर्ण अंग है। युवाओं को देश के विकास के लिए अपना सक्रिय योगदान प्रदान करना चाहिए। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में युवाओं को सम्मिलित करना अति महत्वपूर्ण है तथा इसे यथाशीघ्र एवं व्यापक स्तर पर किया जाना चाहिए। इससे एक ओर तो वे अपनी सेवाएं देश और राज्य को दे पाएंगे दूसरी ओर इससे उनका अपना भी उत्थान होगा।

अभ्यास प्रश्न

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए:

1. **युवा, बिहार नहीं हैं, बल्कि बिहार युवा हैं।**
2. **युवा बिहार के विकास का आधार हैं।**
3. **आधुनिक तकनीक ने बिहार के युवाओं को 'बिहारी समाज' से विलग कर दिया हैं।**
4. **बिहार की संस्कृति बनाम आधुनिक युवा की संस्कृति।**

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna